

१७. ई-अध्ययन : नई दृष्टि

संकलन

आलेख : 'आलेख' एक गद्य लेखन विधा है जिसे वैचारिक गद्य रचना भी कह सकते हैं। किसी एक विषय पर तथ्यात्मक, विश्लेषणात्मक अथवा विचारात्मक जानकारी आलेख में होती है। आलेख गद्य लेखन की वह विधा है जिसमें लेखक अपनी बातों को स्वतंत्रतापूर्वक दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है।

पाठ परिचय : वर्तमान में ज्ञान और सूचना एक नयी शक्ति के रूप में उभरकर आई है। सूचना का प्रसारण, ज्ञान प्राप्ति तथा दैनंदिन कार्य की संपन्नता के मापदंड बदल गए हैं। मनुष्य अब जहाँ भी है, वहीं से ई-संसाधनों के माध्यम से कार्य कर रहा है। इससे शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं है। वर्तमान शिक्षा पद्धति में शिक्षक और विद्यार्थी अध्ययन अध्यापन के लिए ई-संसाधनों का व्यापक और प्रभावी ढंग से प्रयोग कर रहे हैं। इंटरनेट, मोबाइल, कंप्यूटर, टैब आदि के द्वारा विद्यार्थी ज्ञान तथा सूचना प्राप्त कर रहे हैं, स्मार्ट बन रहे हैं। इस आलेख में ई-अध्ययन की संकल्पना, संसाधन, उसके प्रयोग की विधियाँ, प्रयोग करते समय बरती जानेवाली सावधानियाँ आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। साथ ही भविष्य में ई-अध्ययन की आवश्यकता को भी स्पष्ट किया गया है।



बार-बार आज हम यह सुन रहे हैं कि वर्तमानकालीन विद्यार्थी मोबाइल, टीवी, इंटरनेट आदि आधुनिक तकनीक के अधीन हो गए हैं। वर्तमान समाज में विद्यार्थियों की यह समस्या बन गई है कि वे २४ घंटे मोबाइल के मोहजाल में डूबे होने के कारण पुस्तकों से दूर हो गए हैं। मोबाइल उनके जीवन का हिस्सा बन गया है। विद्यार्थी आधुनिक तकनीक के साथ जुड़ने चाहिए, यह समय की माँग है। हर चीज के सकारात्मक और नकारात्मक ऐसे दो पहलू होते हैं। उसी प्रकार मोबाइल तथा आधुनिक तकनीक के दो पहलू हैं। उनका जो सकारात्मक पहलू है, उसका सदुपयोग विद्यार्थी कैसे करें, यह सोचना अनिवार्य है। हर क्षेत्र में तंत्रज्ञान के माध्यम से क्रांति हुई है। सूचना एवं तकनीकी क्रांति से शिक्षा क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है। अध्ययन-अध्यापन में ई-अध्ययन ने नई दृष्टि प्रदान की है।

ई-अध्ययन से हम शिक्षा क्षेत्र में कई सारे सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। आज तक विद्यार्थी केवल हाथ में पुस्तक लेकर ज्ञान प्राप्त कर सकते थे परंतु आज एक बटन दबाते ही ज्ञान का भंडार उसके सामने बैठे-बिठाए प्रस्तुत होता है। आज इंटरनेट की कई सारी वेबसाइट्स से ज्ञान के दरवाजे खुले हैं। कंप्यूटर हमारे जीवन का एक हिस्सा बन गया है। सौ व्यक्तियों का काम यह कंप्यूटर अकेला कर रहा है। 'कम समय में बहुत सारा काम' यही कंप्यूटर की विशेषता है। आज के विद्यार्थी इस ज्ञान देने वाले कंप्यूटर को तो ज्ञान के स्रोत के रूप में देख रहे हैं। उसके सहारे हमारी बहुत-सी पढ़ाई होती है। ई-लर्निंग से हम कठिन से कठिन जानकारी आसानी से विद्यार्थियों तक पहुँचा सकते हैं। ई-लर्निंग की सुविधा इंटरनेट द्वारा हमें मिलती है। इसलिए पहले हमें इंटरनेट क्या है? इस संदर्भ में संक्षेप में जानकारी होना अनिवार्य है।

इंटरनेट शब्द अंग्रेजी इंटरनेशनल और नेटवर्क इन दो शब्दों को जोड़कर बनाया गया है। जिसका अर्थ है विश्वव्यापी 'अंतरजाल'। आज इंटरनेट विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का सर्वाधिक प्रभावी माध्यम है। इंटरनेट एक ऐसी व्यवस्था है जो सारे संसार के सरकारी, प्राइवेट संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और विश्वविद्यालयों के लाखों कंप्यूटर और व्यक्तिगत कंप्यूटरों को इस तरह जोड़ रही है जिससे इन कंप्यूटरों में संजोया डाटा और

सूचनाओं का आदान-प्रदान तुरंत सफलतापूर्वक हो । भारत में इंटरनेट का कार्य और महत्त्व निरंतर बढ़ रहा है । भारत में अनेक राज्य, अनेक भाषाएँ तथा अनेक परंपराएँ होने के कारण एक-दूसरे के साथ-साथ सहजता से संपर्क बनाना बड़ा ही कठिन कार्य था । अब इंटरनेट के कारण ये सभी कठिनाइयाँ दूर हुई हैं । इंटरनेट द्वारा संदेश के आदान-प्रदान से कार्य में गति आई और प्रगति भी हुई । विभिन्न देश तथा व्यक्तियों को करीब लाने में इंटरनेट की महत्त्वपूर्ण भूमिका है । भारत में इंटरनेट के बढ़ते विस्तार के कारण निजी क्षेत्र के साथ ग्रामपंचायत से लेकर राष्ट्रपति भवन तक इंटरनेट का उपयोग हो रहा है । यह हमारे 'डिजिटल इंडिया' की तरफ बढ़ने की सुखद स्थिति है और खुशी की बात यह है कि भारत में प्रारंभ में इंटरनेट संचालन के लिए केवल अंग्रेजी भाषा का ही प्रयोग होता था, अब भारत जैसे बहुभाषी देश में कंप्यूटर और इंटरनेट की उपयोगिता को ध्यान में रखकर हिंदी तथा अन्य प्रादेशिक भाषाओं के सॉफ्टवेयर तैयार किए गए हैं । आज करोड़ों लोग हिंदी में इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं और इंटरनेट की कई वेबसाइटों ने भी हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान दिया है ।

इंटरनेट सूचना और जानकारी का एक विशाल भंडार है जो भिन्न-भिन्न वेबसाइट के रूप में उपलब्ध है । जिस किसी विषय पर हमें सूचना तथा ज्ञान चाहिए वह इंटरनेट द्वारा हमें तुरंत प्राप्त होता है इसलिए ई-लर्निंग तथा ई-अध्ययन हमारे लिए वरदान के रूप में साबित हुआ है ।

आज के विद्यार्थी इस ई-अध्ययन में बड़ी रुचि रखते हैं । दृक्-श्राव्य माध्यम से यह पढ़ाई रोचक होती है । मनोरंजन-ज्ञान का सुंदर समन्वय ई-अध्ययन में होता है । जिसमें संगीत का उपयोग करने से पढ़ाई और अधिक मात्रा में आनंददायी होती है । ई-लर्निंग में यह भी सुविधा है कि बच्चे अपने मोबाइल, कंप्यूटर पर मनचाहे लेखक का साहित्य पढ़ सकते हैं । 'ई-बुक', 'ई-मैगजिन' जैसे शब्द हर पल हम उच्चारित करते हैं, सुनते हैं । जहाँ चाहे वहाँ बैठकर हम पुस्तकें, पत्रिकाएँ पढ़ सकते हैं । कई बार ऐसा होता है कि कोई पुस्तक हमें पढ़नी होती है पर वह हमारे ग्रंथालयों में नहीं मिलती । तब उसे हम ई-कॉपी द्वारा पढ़

सकते हैं । पुस्तक को संभालकर रखने, गुम हो जाने या फट जाने की संभावना इसमें नहीं होती है । मनचाहे पुस्तक को अपने कंप्यूटर में, मोबाइल में संकलित कर सुरक्षित रख सकते हैं । ई-साहित्य से एक पल में हमारे सामने ज्ञान का भंडार खुल जाता है । ई-अध्ययन से हमें शिक्षा की तरफ देखने की एक नई दृष्टि मिल गई है । ई-पुस्तकों के साथ-साथ आज ई-ग्रंथालय की नई सुविधा प्राप्त हुई है । ई-ग्रंथालय वेबसाइट अथवा एप पाठकों तक पुस्तकों को पहुँचाने का काम करते हैं । यह ग्रंथालय शुल्क सहित तथा निशुल्क दोनों तरीके से उपलब्ध है । ऐसे ग्रंथालयों में ई-पुस्तकें, ई-वीडियो, वार्तापट आदि द्वारा ज्ञान उपलब्ध होता है । आप यह सुविधा हर दिन, हर समय, जब चाहे उसका लाभ उठा सकते हैं । सबसे बड़ी बात यह है कि इससे केवल हमारे देश के लेखकों का ही साहित्य नहीं तो विदेशी लेखकों के साहित्य को भी हम पढ़ सकते हैं । आज तक कई सारे प्रकाशक पुस्तक बनते ही वेबसाइट द्वारा पाठकों को पढ़ने के लिए उसे ई-पुस्तक द्वारा उपलब्ध कराने की सुविधा दे रहे हैं तथा ये पुस्तकें चाहे तो हम किताब के रूप में पढ़ भी सकते हैं तथा आवश्यकतानुसार मल्टीमीडिया द्वारा देख, सुन सकते हैं । ई-पुस्तक वापस लौटाने की जरूरत नहीं होती ।

आज का युग प्रतियोगिता का युग है । विद्यार्थियों को कई सारी प्रतियोगिताएँ, परीक्षा की तैयारियाँ करनी होती है और इन परीक्षाओं के लिए ई-अध्ययन एक वरदान के रूप में विद्यार्थियों के लिए सहायक बना हुआ है । प्रतियोगिता, अलग-अलग परीक्षाओं की जानकारी तुरंत ई-अध्ययन से हम प्राप्त कर सकते हैं । आज हर विषय का ज्ञान दिन-प्रतिदिन बदल रहा है । जैसे - सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामान्य ज्ञान, खेल-कूद की जानकारी, संगीत क्षेत्र का ज्ञान आदि विषयों में तेजी से बदलाव आ रहा है और इन सबकी जानकारी ई-अध्ययन से हम ले सकते हैं । यह जानकारी हम विभिन्न वेबसाइट द्वारा प्राप्त कर सकते हैं ।

इंटरनेट द्वारा समाज को पर्यावरण, किसानों को खेती की जानकारी, महिलाओं को खाद्य-व्यंजन की जानकारी तथा स्वस्थ निरोगी रहने हेतु योगा, कसरत आदि

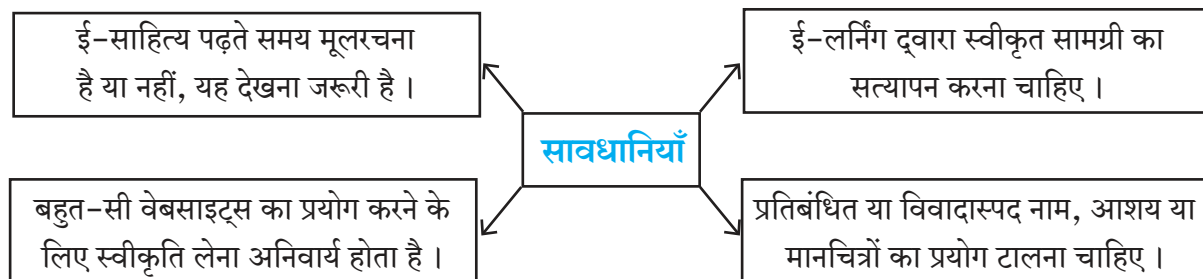
की भी जानकारी हम ले सकते हैं। आज ऐसा एक भी क्षेत्र नहीं कि जिसकी जानकारी हमें ई-लर्निंग से ना मिलती हो ! यह सारी जानकारी लेते-लेते कभी-कभी वेबसाइट खुलने में दिक्कत आती है। ऐसे समय में वेबसाइट में अकाउंट बनाना पड़ता है। उसके लिए अपने निजी विवरण के साथ पंजीकरण फॉर्म भरना पड़ता है। इसके जवाब में आपको एक ई-मेल आता है जिसमें एक 'लिंक' दी होती है इस लिंक को क्लिक करके आप के अकाउंट की पुष्टि होती है। इसके बाद आप इच्छित वेबसाइट पर लॉग इन कर सकते हैं। इसके साथ अपना युजर नेम और पासवर्ड डालकर आप किसी भी मॉड्यूल को देखकर अध्ययन कर सकते हैं। तकनीकी दुनिया में इंटरनेट एक किताब है और वेबसाइट उसके अध्याय। जानकारी के लिए उस साइट का नाम टाइप करने से उस विषय की पूरी जानकारी आपको आपके कंप्यूटर द्वारा मिल जाती है। वेबसाइट पते के अंतिम तीन अक्षर महत्वपूर्ण होते हैं जो यह बताते हैं कि आपने जो साइट खोली है वह किस प्रकार की है। यदि आपके पते के अंतिम तीन अक्षर .org है तो यह किसी गैर

व्यावसायी संस्थान और समितियों की साइट है। यदि यह .edu है तो इसका मतलब है कि आप किसी शैक्षिक संस्थान की साइट खोल रहे हैं और यदि .com है तो यह कमर्शियल ऑर्गनायजेशन है। इस प्रकार ई-अध्ययन आज के युग की सबसे अद्भुत, आश्चर्यजनक संकल्पना है। इससे ज्ञान का विस्तार तेजी से बढ़ता जा रहा है। ई-अध्ययन करते-करते इस क्षेत्र में ज्ञान के साथ-साथ हमें हमारा करियर करने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। ज्ञान-मनोरंजन-करिअर ऐसा त्रिवेणी संगम यानि ई-अध्ययन है जो युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा क्षेत्र की एक नई दृष्टि प्रदान कर रहा है।

अतः कहा जा सकता है कि भविष्य में प्रभावी रूप से कार्य करने हेतु अधिक-से-अधिक विद्यार्थियों द्वारा ई-अध्ययन को अपनाना चाहिए। ई-अध्ययन से हमारा ज्ञान अद्यतन रहता है। समय, श्रम और आर्थिक बचत बड़े पैमाने पर होती है। उज्ज्वल भारत तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी को ई-अध्ययन का उपयोग करना चाहिए।

जानकारी

- ई-मेल E-mail** : कंप्यूटर द्वारा जो पत्र/सूचना भेजी जाती है, वह 'ई-मेल' है।
- इन-बॉक्स In Box** : किसी और के द्वारा भेजा गया ई-मेल हमें 'इन-बॉक्स' में प्राप्त होता है।
- सेन्ट आइटम्स Sent Items** : जो मेल हम दूसरों को भेजते हैं उसकी प्रति 'सेंट आइटम्स' में रहती है।
- आउट बॉक्स Out Box** : जो ई-मेल मैसेज दूसरों को भेजते हैं वह उस व्यक्ति के पास पहुँचने तक 'आउट-बॉक्स' में रहता है।
- नया संदेश बनाना** : आउट लुक का प्रयोग करके जब नया संदेश बनाना चाहते हैं तब एक खाली फॉर्म 'मेल' कहलाता है। यह फॉर्म टेम्प्लेट की तरह है जिसकी सहायता से संदेश बना सकते हैं।



पाठ पर आधारित

- (१) विद्यार्थी जीवन में ई-अध्ययन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।
- (२) ई-ग्रंथालय की जानकारी लिखिए ।
- (३) 'आज के विद्यार्थी अध्ययन के लिए कंप्यूटर पर निर्भर हैं' - पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

व्यावहारिक प्रयोग

- (१) अपने महाविद्यालय में मनाए गए हिंदी दिवस का वृत्तांत लेख समाचार पत्र के संपादक को मेल कीजिए ।
- (२) 'पर्यावरण दिन' पर प्रकल्प के लिए नेट से जानकारी प्राप्त करके उसका पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन कक्षा में प्रस्तुत कीजिए ।

